



NEERAJ®

M.P.S.E.-9

कनाडा : राजनीति और समाज

(Canada: Politics and Society)

Chapter Wise Reference Book
Including Many Solved Sample Papers

Based on

I.G.N.O.U.

& Various Central, State & Other Open Universities

By: *Ved Prakash Sharma* M.A. (Pol. Science)



**NEERAJ
PUBLICATIONS**

(Publishers of Educational Books)

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: info@neerajbooks.com

Website: www.neerajbooks.com

MRP ₹ 300/-

Content

कनाडा : राजनीति और समाज (Canada: Politics and Society)

Question Paper—June-2024 (Solved)	1
Question Paper—December-2023 (Solved)	1
Question Paper—June-2023 (Solved)	1
Question Paper—December-2022 (Solved)	1
Question Paper—Exam Held in March-2022 (Solved)	1
Question Paper—Exam Held in August-2021 (Solved)	1
Question Paper—Exam Held in February-2021 (Solved)	1
Question Paper—December, 2019 (Solved)	1
Question Paper—June, 2019 (Solved)	1
Question Paper—December, 2018 (Solved)	1
Question Paper—June, 2018 (Solved)	1
Question Paper—December, 2017 (Solved)	1
Question Paper—June, 2017 (Solved)	1

<i>S.No.</i>	<i>Chapterwise Reference Book</i>	<i>Page</i>
1.	एक औपनिवेशिक समाज और कच्चे माल पर आधारित अर्थव्यवस्था (A Settlers Society and Staples Economy)	1
2.	संविधानवाद, ब्रिटिश उत्तरी अमेरिका अधिनियम 1867, सांविधानिक अधिनियम 1982, अधिकारों तथा स्वतंत्रताओं का घोषणापत्र (Constitutionalism, BNA Act of 1867, Constitutional Act of 1982, Charter of Rights and Freedoms)	7
3.	कनाडा में संसदीय संघीय संस्थाएँ—कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका (Parliamentary Federal Institutions in Canada—Executive, Legislature and Judiciary)	16
4.	संघवाद, अंतर-सरकारी संबंध और वित्तीय (राजस्व) संघवाद (Federalism, Inter-governmental Relations and Fiscal Federalism)	23
5.	कनाडा में लोक प्रशासन (Public Administration in Canada)	32

<i>S.No.</i>	<i>Chapterwise Reference Book</i>	<i>Page</i>
6.	राजनीतिक दल, दबाव समूह और नीति समुदाय (Political Parties, Pressure Groups and Policy Communities)	38
7.	सामाजिक आंदोलन और गैर-सरकारी संगठन : पर्यावरण, वैश्वीकरण विरोध और महिला आंदोलन (Social Movements and NGOs: Environment, Anti-Globalization and Gender)	47
8.	आदिवासी और आदिवासी स्वशासन (Aboriginals and Aboriginal Self-Government)	56
9.	नागरिक समाज : नीति विकास और सेवा आपूर्ति (Civil Society: Policy Development and Service Delivery)	64
10.	क्यूबेक : भाषा, संस्कृति और राजनीति (Quebec: Language, Culture and Politics)	69
11.	कनाडा में संजातीय और प्रजातीय समस्या और बहुसंस्कृतिवाद (Ethnic and Racial Issues and Multiculturalism in Canada)	80
12.	क्षेत्रीयता (क्षेत्रवाद) और प्रान्तीयता (Regionalism and Provincialism)	90
13.	आप्रवासी, शरणार्थी और अल्पसंख्यक (Immigrants, Refugees and Minorities)	98
14.	उदार अन्तर्राष्ट्रवाद (Liberal Internationalism)	106
15.	मानव सुरक्षा कार्यसूची (Human Security Agenda)	116
16.	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था में कनाडा (Canada in the International Political Economy)	133
17.	भारत-कनाडा भागीदारी (India-Canada Partnership)	144



**Sample Preview
of the
Solved
Sample Question
Papers**

Published by:



**NEERAJ
PUBLICATIONS**

www.neerajbooks.com

QUESTION PAPER

June – 2024

(Solved)

कनाडा : राजनीति और समाज
(Canada: Politics and Society)

M.P.S.E.-9

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 50

नोट : कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक खण्ड में से कम से कम दो प्रश्न चुनिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-I

प्रश्न 1. कनाडा की संसद की शक्तियों और कार्यों की चर्चा कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-3, पृष्ठ-17, 'कनाडा की संसद' पृष्ठ-18, कनाडा की संसद के अधिकार और कर्तव्य'

प्रश्न 2. कनाडा के संविधान के उद्भव और विकास की व्याख्या कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-2, पृष्ठ-7, 'संविधान का विकास'

प्रश्न 3. कनाडा में लोक प्रशासन की संरचना पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-5, पृष्ठ-34, प्रश्न 1

प्रश्न 4. कनाडा की राजनीति में दबाव समूहों के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-6, पृष्ठ-44, प्रश्न 4, पृष्ठ-45, प्रश्न 5

प्रश्न 5. 1960 और 1970 के दशक में आदिवासियों के स्वशासन की दिशा में प्रमुख सरकारी नीति उपायों का वर्णन कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-8, पृष्ठ-61, प्रश्न 2

खण्ड-II

प्रश्न 6. कनाडा के शासन में नागरिक समाज की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-9, पृष्ठ-67, प्रश्न 2

प्रश्न 7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए-

(क) कनाडा में न्यायिक प्रणाली

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-3, पृष्ठ-21, प्रश्न 4

(ख) कनाडा में संघवाद का कार्यरूप

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-2, पृष्ठ-14, प्रश्न 4

प्रश्न 8. कनाडा में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-13, पृष्ठ-103, प्रश्न 1

प्रश्न 9. शीत युद्ध के दौर में भारत-कनाडा साझेदारी पर चर्चा कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-17, पृष्ठ-144, 'शीत युद्ध (1947-1991) के दौरान भारत-कनाडा संबंध'

प्रश्न 10. मानव सुरक्षा के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में कनाडा की कूटनीति की भूमिका की जाँच कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-15, पृष्ठ-122, 'नवीन राजनय (कूटनीति)'



QUESTION PAPER

December – 2023

(Solved)

कनाडा : राजनीति और समाज
(Canada: Politics and Society)

M.P.S.E.-9

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 50

नोट : कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक खण्ड में से कम से कम दो प्रश्न चुनिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-I

- प्रश्न 1. कनाडा की न्यायिक प्रणाली की चर्चा कीजिए।
उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-3, पृष्ठ-21, प्रश्न 4
- प्रश्न 2. कनाडा के संघवाद के विकास के विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिए।
उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-4, पृष्ठ-29, प्रश्न 2
- प्रश्न 3. कनाडा के दबाव समूहों की भूमिका का वर्णन कीजिए।
उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-6, पृष्ठ-45, प्रश्न 5
- प्रश्न 4. कनाडा की राजनीति में दबाव समूहों के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।
उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-13, पृष्ठ-98, 'कनाडा में बहुसंस्कृतिवाद', पृष्ठ-99, 'कनाडा में आप्रवासियों की श्रेणी के रूप में अल्पसंख्यक' पृष्ठ-100, 'श्वेत आप्रवासी समूह'
- प्रश्न 5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त लेख लिखिए-
(क) क्यूबेक राष्ट्रवाद
उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-10, पृष्ठ-71, 'क्यूबेक राष्ट्रवाद'
(ख) कनाडा के नृजातीय समूह
उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-11, पृष्ठ-80, 'कनाडा में संजातीय और प्रजातीय परिदृश्य'

खण्ड-II

- प्रश्न 6. कनाडा के पश्चिम प्रांतों की समस्याएँ क्या हैं? चर्चा कीजिए।
उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-12, पृष्ठ-93, 'पश्चिमी प्रांतों की शिकायतें'
- प्रश्न 7. उदार अंतर्राष्ट्रीयवाद क्या है? वर्णन कीजिए।
उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-14, पृष्ठ-107, 'उदार अंतर्राष्ट्रीयवाद'
- प्रश्न 8. मानव सुरक्षा एजेंडे पर कनाडा सरकार की भूमिका का वर्णन कीजिए।
उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-15, पृष्ठ-117, 'कनाडा की मानव सुरक्षा कार्यसूची'
- प्रश्न 9. कनाडा की व्यापार नीति पर एक लेख लिखिए।
उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-16, पृष्ठ-134, 'कनाडा की व्यापार नीति'
- प्रश्न 10. शीतयुद्ध में भारत-कनाडा संबंधों की प्रकृति का विश्लेषण कीजिए।
उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-17, पृष्ठ-144, 'शीतयुद्ध (1947-1991) के दौरान भारत-कनाडा संबंध'

■ ■

Sample Preview of The Chapter

Published by:



**NEERAJ
PUBLICATIONS**

www.neerajbooks.com

कनाडा : राजनीति और समाज

(CANADA: POLITICS AND SOCIETY)

एक औपनिवेशिक समाज और
कच्चे माल पर आधारित अर्थव्यवस्था
(A Settlers Society and Staples Economy)



परिचय

कनाडा क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार में तथा पश्चिमी गोलार्द्ध का सबसे बड़ा दूसरा देश है। वर्तमान में यह एक सांविधानिक राजतंत्र, एक संघीय राज्य और संसदीय लोकतंत्र है। इसमें दो राजभाषाएं, कानून की दो व्यवस्थाएं, 10 प्रान्त तथा 3 राज्य क्षेत्र हैं, सभी की अपनी-अपनी राजधानियां हैं। कनाडा का राजनीतिक एवं भौगोलिक स्वरूप हजारों वर्ष पुराना है। इसके विकास की वर्तमान प्रक्रिया हजारों वर्ष पुरानी है, जब यूरोपवासियों ने यहां आकर रहना प्रारंभ किया था। इसी वजह से उसे उपनिवेशों के नाम से भी जाना जाता है। फ्रांसीसी और अंग्रेज सर्वप्रथम उपनिवेशी थे, जिन्होंने अपनी बस्तियां बनाईं। 1867 से कनाडा स्वशासी उपनिवेश रहा है। प्रथम विश्व युद्ध में शामिल होने के पश्चात कनाडा को 1931 में ब्रिटिश संसद द्वारा पारित 'वेस्टमिन्सटर के अधिनियम' (Statute of Westminster) के अनुसार वैध रूप से संप्रभु देश के रूप में आजादी मिली। वर्तमान में कनाडा ऐतिहासिक रूप से दो विरोधी लोगों द्वारा निर्मित अत्यधिक विभिन्नताओं वाला सर्वाधिक सम्मानित एवं लचीला लोकतंत्र है।

इस अध्याय के अंतर्गत कनाडा की खोज, फ्रांसीसी और अंग्रेजी औपनिवेशिकों में प्रतिद्वंद्विता एवं नए देश का उदय आदि की चर्चा की गई है।

अध्याय का विहंगावलोकन

भूमि (Land)

संसार में उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में स्थित कनाडा दूसरा सबसे बड़ा देश है। कनाडा की भूमि का क्षेत्रफल 99,70,610 वर्ग किलोमीटर है। दक्षिण में कनाडा की सीमा संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ 8,892 किलोमीटर तक है। उत्तर की ओर उत्तर ध्रुव के साथ 800 किलोमीटर की सीमा है। कठोर उत्तरी जलवायु होने के कारण इसकी 12 प्रतिशत भूमि ही कृषि योग्य है। इस प्रकार इसकी ज्यादातर जनसंख्या दक्षिणी सीमा के 100 वर्ग किलोमीटर के थोड़े से क्षेत्र में ही रहती है। कनाडा में संसार का सातवाँ भाग ताजा जल है। कनाडा में ग्रेट लेक्स झील के अलावा अनेक बड़ी नदियां और झीलें हैं। कनाडा की कुल भूमि के लगभग आधा वन्य क्षेत्र है। कनाडा सात भागों प्रशान्त महासागर तट, कोडीलीरा, प्रेरिस, कैनेडियन शील्ड, ग्रेट लैक्स सेंट लॉरेंस लोलैंड्स, अटलांटिक प्रान्तों एपालाचिन क्षेत्र और उत्तर ध्रुवीय प्रदेश, में विभाजित है। कनाडा के इन क्षेत्रों में दस प्रान्त और तीन राज्य क्षेत्र हैं।

कनाडा की खोज

नए विश्व के रूप में कनाडा की प्रारंभिक खोज वाइकिंग्स (Vikings) नामक नोर्स समुद्री यात्रियों के माध्यम से की। वर्ष

2 / NEERAJ : कनाडा : राजनीति और समाज

1000 में लीफ एरिक्सन (Leif Ericson) उत्तरी अमेरिका में पहुंचने वाला प्रथम यूरोपियन था। इसी समय वाइकिंग्स ने विनलैंड नामक एक बस्ती का निर्माण किया। वर्ष 1963 में इसकी पहचान न्यू फाउण्डलैंड के ठीक उत्तरी अग्रभाग पर की गई। अभिलिखित इतिहास के अनुसार उत्तरी अमेरिका की खोज का संबंध 1492 में क्रिस्टोफर कोलम्बस के आने से है। यूरोपवासियों द्वारा उत्तरी अमेरिका की खोज करने से बहुत समय पूर्व लोग यहां रहने लगे थे, जिन्हें अब आदिवासी (Aboriginals) या इंडियन्स अथवा कुछ लोगों द्वारा प्रथम जातियां भी कहा जाता है।

आदिवासी जातियां या मूल निवासी (The Aboriginals)

उत्तरी अमेरिका में प्रथम जातियों के रूप में आने वाले आदिवासियों के संबंध में कई सिद्धांत हैं। ज्यादातर मानव वैज्ञानिकों का मत है कि वे लगभग 10 हजार से 30 हजार वर्ष पूर्व साइबेरिया से बेरिंग समुद्र पार कर यहां आए थे। आदिवासी लोगों ने महाद्वीप के साथ-साथ यात्राएं कीं तथा अपने बस जाने के स्थान के आधार पर अनेक प्रकार की परम्पराएं और भाषाएं उत्पन्न कीं। इस प्रकार जब यूरोप के अन्वेषक और उपनिवेशी कनाडा आए तो यहां विभिन्न प्रकार के आदिवासी लोग पहले से बसे थे, जो पर्यावरण के आधार पर अस्थिर जीवन-शैली में रहते थे। इनमें शिकारी, मछुआरे, किसान, लड़ाकू आदि थे। वे तांबे के औजारों से लेकर मिट्टी के बर्तनों तक समस्त वस्तुओं का व्यापार करते थे। यूरोपवासियों की चमड़े की अधिक मांग थी, इसलिए आदिवासी लोग चमड़े के व्यापार और कनाडा के दोहन में भागीदार बन गए। वर्तमान में 3 प्रतिशत कनाडावासी संविधान अधिनियम 1982 द्वारा मान्य एक या उससे अधिक आदिवासी समूहों से संबंधित हैं।

आरंभिक यूरोपीय बस्तियां स्थापित करने वालों का आगमन (Arrival of Early European Settlers)

1492 में क्रिस्टोफर कोलम्बस उत्तरी अमेरिका पहुँचा, इसके पश्चात जॉन कैबट ने पश्चिमी ब्रिस्टोल, इंग्लैण्ड की नौ-यात्रा की ओर इंग्लैण्ड के राजा हेनरी VII के लिए पूर्व की ओर एक नए व्यापारिक मार्ग खोजने के लिए पारस्परिक संपर्क किया। यह यात्रा उसे कनाडा के पूर्वी तट की खोज की ओर ले गई। कैबट ने उत्तरी अमेरिका के तट को ढूँढ लिया, जो बैफिन द्वीप से मैरीलैंड के मध्य विभिन्न स्थानों को छूता हुआ अस्पष्ट और स्पष्ट मानचित्र बनाता था। वर्ष 1524 में फ्रांस के राजा फ्रैंसिस I ने फ्लोरेंटाइन नाविक जियोवाम्नी डा बेराजोनों को समुद्र पार सर्वेक्षण पर समुद्री यात्रा पर भेजा। बेराजोनों ने उत्तरी

कैरोलीना से न्यू फाउंडलैंड तक उत्तरी अमेरिका के पूर्वी समुद्री तट की खोज की तथा खोज के अधिकार से फ्रांस के महाद्वीप पर कुछ अधिकार प्रदान किया। 1534 में जैकइस कॉर्टियर ने भी उत्तरी पूर्वी मार्ग प्राप्त करने की आशा से फ्रांस से समुद्री यात्रा शुरू की। यह एक सरकारी खोज थी, जिसमें फ्रांसीसी राजा के लिए वह रिपोर्ट बनाकर अवलोकित भूमि तथा लोगों का वर्णन किया गया। सन् 1541 में कॉर्टियर ने अपनी तीसरी यात्रा सेंट लारेन्स की ओर की। इस बार फ्रांसिस डी ला राबेवैल कॉर्टियर के पदचिह्नों पर चला और एक बस्ती खोजने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहा। सन् 1603 में एक अन्य फ्रांसीसी सैमुअल डी कैमलेन ने उत्तरी अमेरिका में व्यापार के महत्त्व को देखते हुए इस भूमि के लिए अपनी यात्रा की। सैमुअल डी कैमलेन अनेक वर्षों के बाद स्थायी उपनिवेश बनाने के लिए यहां वापस लौटा। कनाडा में बसने के लिए वह अपने साथ अनेक लोगों को लाना चाहता था। फ्रांस के राजा ने उसी इसकी स्वीकृति तो प्रदान की, लेकिन इसके एवज में उसे चमड़े का व्यापार विकसित करने को कहा। फ्रांस ने 1663 में अपना उपनिवेश स्थापित किया, जो वर्तमान में क्यूबेक प्रांत है और इसे न्यू फ्रांस कहा जाता है। इस प्रकार पूर्व के धनी बाजारों के नए मार्ग खोजते हुए फ्रांसीसी और अंग्रेजी खोजकर्ता उत्तरी अमेरिका के जल मार्गों का प्रयोग करने लगे।

फ्रांसीसी और अंग्रेजी औपनिवेशिकों में प्रतिद्वंद्विता

जब अंग्रेजी बस्तियां तीव्रता से अटलांटिक समुद्रीय तटों पर बढ़ रही थीं, तब फ्रांसीसी बस्तियां उत्तरी अमेरिका के मध्य में भीतर तक फैल रही थीं। इस समय फ्रांस और इंग्लैंड प्रतियोगिता भी कर रहे थे और संसार में कहीं भी बस्तियों के लिए परस्पर संघर्षरत थे। यह संघर्ष शीघ्र ही उत्तरी अमेरिका में भी सक्रिय हो गया। 1702 में इस संघर्ष का परिणाम महारानी ऐपिस की लड़ाई के रूप में उत्पन्न हुआ। इससे 1710 में इंग्लैंड ने रॉयल बंदरगाह पर कब्जा कर लिया। 1713 में अटरेक्ट की संधि से पुनः शांति स्थापित हुई। इस संधि के आधार पर फ्रांस द्वारा हडसन खाड़ी प्रदेश, न्यू फाउंडलैंड और एकेडिया का अधिकार छोड़ना जरूरी था। फ्रांस के पास केप ब्रेटोन द्वीप तथा उसकी अंदर की बस्तियां रहने दी गईं। फ्रांस ने सेंट लारेन्स नदी में प्रवेश के लिए केप ब्रेटोन द्वीप पर लुई बर्ग का सशक्त किला बनाया। न्यू इंग्लैंडवासियों ने 1745 में इस किले पर आक्रमण कर इसे अपने अधिकार में ले लिया। 1748 में ऐक्स-ले चेप्पल नामक संधि द्वारा किला फ्रांस को लौटा दिया गया। 1760 में ब्रिटेन ने न्यू फ्रांस नाम बस्ती को अंतिम रूप से जीत लिया। 1763 में पेरिस

में एक संधि पर हस्ताक्षर कर ब्रिटेन न्यू फ्रांस का नया स्वामी बन गया।

ब्रिटिश आप्रवासियों की बस्ती (British Settlers Colony)

क्यूबेक नगर के ध्वस्त होने के पश्चात उस क्षेत्र की उत्तरी अमेरिकी बस्तियां ब्रिटेन के अधीन एक उपनिवेश बन गईं। ब्रिटेन के राजा ने कनाडा पर उसकी ओर से शासन करने के लिए एक गवर्नर जनरल नियुक्त किया। उसकी मदद के लिए एक परिषद और सभा बनाई गई। ब्रिटेन ने क्यूबेक अधिनियम (1774) लागू कर फ्रांसीसी दीवानी कानून को सरकारी मान्यता प्रदान की तथा भाषायी और धार्मिक स्वतंत्रताओं को आश्वस्त किया। 1776 में संयुक्त राज्य अमेरिका की स्वाधीनता के साथ अंग्रेजी भाषी बस्तियों ने कनाडा में शरण ली। 1791 में क्यूबेक को दो भागों अंग्रेजी भाषी ऊपरी कनाडा (ऑंटेरियो) और फ्रांसीसी भाषी निचला कनाडा (क्यूबेक) में विभाजित किया गया। 1837 और 1838 में विद्रोहियों ने अंग्रेजों के प्रेरित किया कि वे दो उपनिवेशों को मिलाकर कनाडा का संयुक्त प्रान्त बनाए। इस संयुक्त उपनिवेश को 1848 में विदेशी मामलों को छोड़कर एक जिम्मेदार सरकार प्रदान की गई।

नए देश का उदय कनाडा

ब्रिटेन की उत्तरी अमेरिकी बस्तियाँ स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ रही थीं, लेकिन 1860 के दशक में अमेरिकी और यूरोपीय देशों में होने वाले बदलावों का ब्रिटेन की बस्तियों पर भी प्रभाव पड़ा। इस प्रमुख बदलाव से ब्रिटेन से अमेरिकी सुरक्षा को बाहर से खतरा पैदा होना था। निःसंदेह यह स्थिति संयुक्त राज्य अमेरिका-ब्रिटेन के आपसी संबंधों से पैदा हुई। इसके फलस्वरूप सितम्बर 1864 में ब्रिटेन की उत्तरी अमेरिकी बस्तियों के प्रतिनिधि प्रिंस एडवर्ड आइलैंड के शरलोट शहर में एकत्रित हुए और राज्य की एकता के लिए कार्य करने को तैयार हुए। कुछ सप्ताह बाद उन्होंने क्यूबेक में सरकार की व्यापक योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसे 'क्यूबेक संकल्प' के नाम से जाना जाता है। यह कार्य एक संविधान के माध्यम से किया जाना था। इस संविधान को 'ब्रिटिश नार्थ अमेरिका अधिनियम, 1867' के नाम से जाना जाता है। 1 जुलाई, 1867 को ऑंटेरियो, क्यूबेक, न्यू ब्रन्सवेक और नोस्कोटिया आदि चार राज्यों को मिलाकर स्वतंत्र कनाडा अस्तित्व में आया। यह एक संघीय प्रणाली और संसदीय लोकतंत्र था, जिसे कनाडा का परिसंघ कहा जाता था।

पश्चिम की ओर विस्तार (Westward Expansion)

परिसंघ बनने के तुरंत पश्चात कनाडा का उत्तर पश्चिम की तरफ विस्तार हुआ। हडसन की खाड़ी से हजारों किलोमीटर दूर

दक्षिण पश्चिम की ओर फैले रूपर्ट लैंड क्षेत्र को कनाडा द्वारा हडसन बे कम्पनी से खरीद लिया गया। 1670 में यह क्षेत्र इंग्लैंड के राजा चार्ल्स द्वारा दिया गया था। पश्चिमी क्षेत्र की ओर विस्तार में अनेक कठिनाइयाँ थीं। 1869 में लुई रीफ ने भूमि पर अपने पारिवारिक अधिकारियों की रक्षा के प्रयास में मटीयो द्वारा विद्रोह का नेतृत्व किया। 1870 में एक समझौते के तहत रूपर्ट लैंड से एक नए प्रान्त मनीटोबा को अलग किया गया। औपचारिक रूप से 1898 में योकोन के उत्तरी राज्य क्षेत्र को स्थापित किया गया ताकि क्लोंडाइक स्वर्ण की घबराहट में उस क्षेत्र पर कनेडियाई न्याय के फैसले को सुनिश्चित किया जा सके। 1905 में रूपर्ट लैंड से अलबर्टा और सस्केचेवन नाम दो नए प्रान्त बनाए गए। शेष भूमि उत्तर-पश्चिम राज्य क्षेत्र बन गए। 1949 तक न्यू फाउंडलैंड ब्रिटिश कॉलोनी बना रहा, तब यह कनाडा का दसवाँ प्रान्त बना। इस प्रकार कनाडा अब 10 घटक इकाइयों तथा 3 राज्य क्षेत्रों का देश बन गया।

बहुलवादी समाज

कनाडा के कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ शताब्दियों से आवासीय स्वरूप एक ही समूह से निकलने वाली जनसंख्या को स्थापित करने तथा स्थिर बनाए रखने में समर्थ हुए। प्रमुख रूप से पूर्व की भिन्नता में आदिम जातियाँ, अंग्रेजी भाषायी और फ्रेंच भाषायी शामिल थे। विगत शताब्दी में यह भिन्नता प्रारंभिक अपेक्षाओं से अलग आप्रवास और स्वाभाविक वृद्धि दोनों से अलग रूप से बढ़ी। कनाडा ने स्वयं को द्विभाषा-भाषी तथा बहुसंस्कृति वाला समाज घोषित किया। कनाडा की दो राजभाषाएँ हैं 59 प्रतिशत कनाडियाई लोगों की मातृभाषा अंग्रेजी तथा 23 प्रतिशत लोगों की मातृभाषा फ्रांसीसी है। राजभाषा अधिनियम के अनुसार फ्रांसीसी और अंग्रेजी भाषाओं को कनाडा की राजभाषाएँ हैं तथा अंग्रेजी और फ्रांसीसी अल्पसंख्यक समुदायों की शक्ति बढ़ाने और उनके विकास के लिए विशेष उपाय किए गए हैं।

अर्थव्यवस्था

वर्तमान में कनाडा सर्वाधिक सात औद्योगिक देशों में से एक है। विश्व व्यापार व्यवस्था में यह पूर्णतः सम्मिलित है और औद्योगिक बाजार अर्थव्यवस्थाओं में आठवाँ सर्वाधिक व्यापार वाला देश है। पारंपरिक दृष्टि से कनाडा को विश्व में कच्चे माल और प्रारंभिक उत्पादों जैसे, गेहूँ, तेल, इमारती लकड़ी और खनिजों के बड़े स्रोत के रूप में जाना जाता है।

कृषि

शताब्दियों से कनाडा की अर्थव्यवस्था में कृषि, वन उत्पाद तथा खनिज उद्योग प्रमुख रहे हैं जो आज भी अंतर्राष्ट्रीय बाजार

4 / NEERAJ : कनाडा : राजनीति और समाज

में कनाडा के व्यापार में अत्यधिक योगदान देते हैं। किसान कनाडा की आबादी का 2 प्रतिशत है और कृषि में देश के कार्यबल का लगभग 3.5 प्रतिशत श्रम लगा हुआ है। कनाडा को अच्छे अन्न, तिलहन, सब्जियां, मांस और दुग्ध उत्पादों के लिए जाना जाता है। संपूर्ण व्यापार का कृषि निर्यात 10 प्रतिशत से भी कम है। कनाडा के संपूर्ण भू-भाग का लगभग आधा वन प्रदेश है। कनाडा के समग्र निर्यात व्यापार का 15 प्रतिशत वन उत्पाद हैं। संसार में कनाडा अखबारी कागज का प्रमुख उत्पादक है, और कुल विश्व उत्पादन का 40 प्रतिशत अखबारी कागज उत्पादित करता है।

उद्योग और व्यापार

द्वितीय विश्व युद्ध ने कनाडा की निर्माण, खनन और सेवा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उन्नति ने बड़ी ग्रामीण अर्थव्यवस्था से मुख्य औद्योगिक एवं शहरी अर्थव्यवस्था में पहुंचा दिया। विगत 40 वर्षों में संसाधन निर्यात कनाडा के मिश्रित व्यापार का कम प्रमुख भाग हो गया है, जो 1960 के दशक में 40 प्रतिशत की तुलना में अब लगभग 20 प्रतिशत ही है। विश्व में आज भी कनाडा अमेरिका और सोवियत संघ के कुछ प्रदेशों के बाद खनिज निर्यात में प्रथम तथा खनिज उत्पाद में तीसरा देश है। वर्तमान में सकल घरेलू उत्पाद में कनाडा का विश्व में सातवां स्थान है। कुल व्यापार में भी संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, इंग्लैंड, जापान और इटली के बाद इसका सातवां स्थान है। कनाडा का सबसे बड़ा भागीदार देश संयुक्त राज्य अमेरिका है। अमेरिकी-कनाडियाई व्यापार का सबसे बड़ा घटक स्वचालित वाहन क्षेत्र है। संयुक्त राज्य अमेरिका सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है, जो कनाडा में कुल विदेशी निवेश का लगभग 72 प्रतिशत निवेश करता है। कनाडा का संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार 1989 में जब 'मुक्त व्यापार समझौता' लागू हुआ और 1994 में 'उत्तरी अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौते' ने इस समझौते का स्थान लिया, के बीच लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ गया। अमेरिका और कनाडा दोनों परस्पर वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार का कार्य करते हैं।

कनाडा का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक और निवेश साझेदार यूरोपीय संघ बन गया है। अमेरिका और जापान के बाद कनाडा के सात सर्वोच्च निर्यात के लक्ष्य यूरोप में हैं। एशिया प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ कनाडा का आर्थिक सशक्त समझौता और ज्यादा सशक्त और विभिन्नता वाला होता जा रहा है।

भारत भी कनाडा का एक प्रमुख व्यापारी साझेदार है। भारत और कनाडा के मध्य द्विपक्षीय व्यापार 1990 के दशक से

तीन गुणा होकर 2003 में 2.2 अरब डॉलर तक हो गया। भारत कनाडा के प्रमुख बाजारों में से एक है तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का उभरता स्रोत है। कनाडा से भारत को निर्यात 2002 में 67 करोड़ था जो 2003 में बढ़कर 73 करोड़ 30 लाख डॉलर हो गया। कनाडा से भारत के मुख्य निर्यात में संचार उपकरण, मोटर, दालें, पोटश और लकड़ी की लुगदी शामिल है। भारत से कनाडा को निर्यात 2002 में 1.3 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2003 में 1.4 बिलियन डॉलर हो गया।

अभ्यास-प्रश्न

प्रश्न 1. एक इकाई के रूप में कनाडा के विकास की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

उत्तर कनाडा के विकास के इतिहास को एक हजार वर्ष पहले खोजा जा सकता है, जब यूरोपवासियों ने यहां आकर रहना प्रारंभ किया था। इसी कारण उसे उपनिवेशों के नाम से जाना जाता है। अभिलिखित इतिहास के अनुसार उत्तरी अमेरिका की खोज का संबंध 1492 में क्रिस्टोफर कोलम्बस से है। यूरोपवासियों द्वारा उत्तरी अमेरिका की खोज करने से बहुत समय पूर्व लोग यहां रहने लगे थे, जिन्हें अब आदिवासी (Aboriginals) या इंडियन्स अथवा कुछ लोगों द्वारा प्रथम जातियां भी कहा जाता है। उत्तरी अमेरिका में प्रथम जातियों के रूप में आने वाले आदिवासियों के संबंध में कई सिद्धांत हैं। आदिवासी लोगों ने महाद्वीप के साथ-साथ यात्राएं कीं तथा अपने बस जाने के स्थान के आधार पर अनेक प्रकार की परम्पराएं और भाषाएं उत्पन्न कीं। इस प्रकार जब यूरोप के अन्वेषक और उपनिवेशी कनाडा आए तो यहां विभिन्न प्रकार के आदिवासी लोग बस चुके थे, जो पर्यावरण के आधार पर अस्थिर जीवन शैली में रहते थे। इनमें शिकारी, मछुआरे, किसान, लड़ाकू या शांतिप्रिय थे। वे तांबे के औजारों से लेकर मिट्टी के बर्तनों तक लगभग सभी वस्तुओं का व्यापार करते थे। यूरोपवासियों की चमड़े की अधिक मांग के कारण आदिवासी चमड़े के व्यापार और कनाडा के दोहन में भागीदार बन गए। वर्तमान में 3 प्रतिशत कनाडावासी संविधान अधिनियम 1982 द्वारा मान्य एक या उससे अधिक आदिवासी समूहों से संबंधित हैं।

1492 में क्रिस्टोफर कोलम्बस उत्तरी अमेरिका में आया, इसके पश्चात जॉन कैबट ने पश्चिमी ब्रिस्टोल, इंग्लैंड की नौ-यात्रा की और इंग्लैंड के राजा हेनरी VII के लिए पूर्व की ओर एक नए व्यापारिक मार्ग खोजने के लिए पारस्परिक संपर्क किया। इस यात्रा से वह कनाडा के पूर्वी तट की खोज की ओर बढ़ा। कैबट ने उत्तरी अमेरिका के तट को ढूंढ लिया, जो बैफिन